हरियाली बचाते हैं,

सामाजिक उत्तरदायित्व भी निभाते हैं

माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान जी, मुख्यमंत्री, म.प्र. शासन को माननीय श्री गौरीशंकर शेजवार जी, वनमंत्री, म.प्र. शासन एवं अध्यक्ष, म.प्र. राज्य वन विकास निगम, वर्ष 2014 की लीज़ रेंट व लाभांश राशि रु. 65.10 करोड़ का चेक भेंट करते हुए।

उपलब्धियों के 40 वर्ष

- प्रदेश के वनों की सुरक्षा एवं पर्यावरण सुधार दायित्व निभाते हुए 2.71 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सागौन एवं बांस के वृक्षारोपण
- निगम द्वारा निर्मित वन संपदा का शुद्ध मूल्य (नेटवर्थ) रु. 3500 करोड़ से भी अधिक
- स्थापना वर्ष से ही निगम निरंतर लाभ में
- वन समितियों को प्रतिवर्ष लाभांश वितरण

वर्ष 2014 की विशेष उपलब्धियाँ

- शेयरधारकों को 1:4 का बोनस देने का निर्णय : म.प्र. में कीर्तिमान
- चतुर्थ वार्षिक ग्रीनटेक सी.एस.आर. गोल्ड अवार्ड 2014
- शासन को सर्वाधिक 38% लाभांश का भुगतान

आगामी वर्षों की नवीन गतिविधियाँ

- ईको टूरिज्म
- शार्ट रोटेशन क्रॉप का रोपण
- खदानी क्षेत्रों का पर्यावरण सुधार
- वनक्षेत्रों के बाहर निजी भूमि पर शार्ट रोटेशन क्रॉप का रोपण

नोट : सागौन रूटशूट/पौधे क्रय करने के लिए/वृक्षारोपण करवाने तथा संस्थानों के सी.एस.आर. मद में आवश्यकतानुसार वृक्षारोपण एवं अन्य कार्यों के क्रियान्वयन करवाने हेतु कृपया प्रधान कार्यालय/क्षेत्रीय कार्यालयों से संपर्क करें।

वनों की सुरक्षा की जिम्मेदारी

मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम लि.

Please Visit our website : www.mpsfdc.com

M.P. Rajya Van Vikas Nigam Limited

4th Greentech Corporate Social Responsibility Gold Award - 2014 in Forestry Sector

सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के लिए वन विकास निगम पुरस्कृत

मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम के लिये नया साल नई उपलब्धियाँ लेकर आया। निगम को वर्ष 2014 में वनों में रहने वाले स्थानीय समुदायों के प्रति अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन के लिए चतुर्थ ग्रीनटेक सी.एस.आर. गोल्ड अवार्ड से सम्मानित किया गया। निगम को यह सम्मान गत 29 जनवरी 2015 को कोलकाता में आयोजित ग्रीनटेक एन्वायरमेन्ट एण्ड सी.एस.आर. परिषद की पंद्रहवीं वार्षिक कान्फ्रेन्स में दिया गया। मध्यप्रदेश के प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं निगम के प्रबन्ध संचालक आर.एन. सक्सेना और निगम के परियोजना निर्माण प्रभाग के कार्यकारी संचालक सत्येन्द्र बहादुर ने मध्यप्रदेश शासन के वन विभाग तथा मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम की ओर से सम्मान स्वीकार किया।

सामाजिक दायित्व जो निगम ने निभाये

मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम पिछले कई वर्षो से अपने कार्यक्षेत्र में और उससे लगे वन क्षेत्रों में स्थानीय समुदायों के प्रति अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वाह कर रहा है। वर्ष 2014 में निगम ने जिन सामाजिक दायित्वों को निभाया उसमें वनों के आसपास रहने वाले ग्रामीण समुदाय के लोगों के लिए मछली पालन और कोसापालन के माध्यम से रोजगार के अतिरिक्त अवसर प्रदान करना प्रमुख था।

मछली पालन योजना के अंतर्गत छिंदवाड़ा परियोजना मण्डल में परियोजना मुख्यालय पर मछली पालन के लिए बासठ हजार छः सौ रुपयों की, भोपाल परियोजना मण्डल में विदिशा व रायसेन के लिए तेरह हजार पाँच सौ रुपयों की जबलपुर परियोजना मण्डल में कुण्डम में एक लाख उन्तालिस हजार पाँच सौ साठ रुपयों की, सिवनी परियोजना मण्डल में बरघाट में दो लाख चवालिस हजार दो सौ चौदह रुपयों की बालाघाट में लामटा के लिए पिचयानवे हजार पाँच सौ रुपयों की (वन समिति के कोष से स्वीकृत मछली पालन की बासठ हजार रुपयों की योजना के अतिरिक्त) और मण्डला परियोजना मण्डल में मोहगाँव में अड़तीस हजार रुपयों की, इस प्रकार सकल छः लाख पचपन हजार तीन सौ चौहत्तर हजार रुपयों की योजनाएँ स्वीकृत की गई हैं। कोसा पालन के लिए रायसेन परियोजना मण्डल में विदिशा के लिए दस हजार रुपयों की स्वीकृति दी गई।

मछली पालन और कोसा पालन के लिए निगम ने हितग्राहियों को प्रशिक्षण भी दिया। निगम द्वारा इन उत्तरदायित्वों के निर्वाह से ग्रामीण समुदाय के लोगों के जीवन में आर्थिक और सामाजिक उन्नति परिलक्षित हुई। इसी श्रृंखला में वन विकास निगम ने कौशल उन्नयन के लिए भी सार्थक प्रयास किये।

जल प्रबंधन का दायित्व भी निगम ने निभाया

सामाजिक दायित्व के निर्वहन में मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम ने जलप्रबंधन के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। निगम ने वन क्षेत्रों में और आसपास जल प्रबंधन एवं निस्तार के लिए बोरी बन्धान के निर्माण और हैण्डपंप से जलप्रदाय की व्यवस्था की। बोरी बन्धान योजना के अंतर्गत बहते नालों के पानी का उपयोग सिंचाई कार्य में करने के लिए बोरियों के माध्यम से बांध बनाये जाते हैं। निगम ने भोपाल संभाग के अंतर्गत परियोजना मण्डल छिंदवाड़ा, सीहोर और खण्डवा में परियोजना मुख्यालय पर तथा भोपाल परियोजना मण्डल में विदिशा व रायसेन में व बैतूल परियोजना मण्डल में रामपुर-भतोड़ी में तीन-तीन लाख रुपयों की लागत से पन्द्रह लाख रुपयों की बोरी बंधान गतिविधियाँ स्वीकृत की थीं। निगम ने जबलपुर संभाग में कुण्डम परियोजना में कुण्डम में, सिवनी परियोजना में बरघाट में, सीधी परियोजना में रीवा और सीधी में तथा बालाघाट परियोजना में लामटा में तीन-तीन लाख रुपयों की लागत से बारह लाख रुपयों की बोरी बंधान गतिविधियाँ स्वीकृत की थीं। परियोजना मण्डल बालाघाट में लामटा में ही वन समिति के फण्ड से पाँच लाख इकतालिस हजार नौ सौ रुपयों की बोरी बंधान योजना भी स्वीकृत की थी।

कर मुक्त लाभ से निगम निभाता है सामाजिक दायित्व

मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम अपने सकल लाभ में से कर की राशि घटाकर जो करमुक्त लाभ मिलता है उसकी दो फीसदी राशि सामाजिक दायित्वों के निर्वहन से जुड़ी योजनाओं पर खर्च करता है। निगम ने वर्ष 2014 में मछली पालन, कोसा पालन, बोरी बंधान के निर्माण तथा हैण्डपम्प से जलप्रदाय के अलावा रोज़गार प्रशिक्षण केन्द्रों के निर्माण, रोज़गार अवसरों के विकास के लिए कपड़े की चिन्दी से रस्सी का निर्माण, सीसल रेशे व कोसे का उत्पादन, अगरबत्ती काड़ी का निर्माण तथा दोना-पत्तल निर्माण का कार्य भी किया गया। इसी वर्ष महिलाओं के लिए सिलाई मशीनों का वितरण भी किया गया। निगम ने परियोजना मण्डलों में वनों में रहने वाले समुदाय के लिए स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन भी किया और महिलाओं व बच्चों को रोग प्रतिरोधक टीके लगाने और विटामिन की गोली बाँटने का काम भी किया गया। इसी मद से वर्ष 2014 में चार लाख रुपयों की लागत से अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन, रायसेन परियोजना मण्डल के विदिशा में श्रमिकों और ग्रामीणों के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान के लिए बाईस लाख पचपन हजार दो सौ पाँच रुपये और भारतीय वन प्रबन्धन संस्थान की शिक्षा प्रयोजन के लिए पाँच लाख चौदह हजार रुपये की स्वीकृति दी गई है।

● राजा दुबे

साभार......

म.प्र. राज्य वन विकास निगम के स्थापना के 40 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर
हरियाली बचाते हैं, सामाजिक उत्तरदायित्व भी निभाते हैं
मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम को
चतुर्थ वार्षिक सी.एस.आर. गोल्ड अवार्ड 2014
4th Annual Corporate Social Responsibility (CSR) Gold Award, 2014
4th Annual GREENTECH CSR Award 2014
श्री शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
श्री गौरीशंकर शेजवार
मंत्री, वन, मध्यप्रदेश शासन एवं
अध्यक्ष, म.प्र. राज्य वन विकास निगम
प्रदेश के वनों की सुरक्षा और पर्यावरण सुधार दायित्व निभाते हुए मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम द्वारा 2.71 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सागौन एवं बाँस के वृक्षारोपण किया गया।
स्थानीय समुदायों के प्रति अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन (CSR) के अंतर्गत वनों के आस-पास रहने वाले समुदायों के जीवन में आर्थिक उन्नति।
विगत 6 वर्षों में समितियों को रु. 24.59 करोड़ के लाभांश का वितरण।
वन विकास निगम प्रॉफिट आफ्टर टैक्स (PAT) का कम से कम 2% सामाजिक दायित्वों पर उपयोग करता है।
विगत 40 वर्षों में लगातार शेयर धारकों को डिविडेंड वितरण।
मछली पालन, कोसा पालन के माध्यम से रोजगार।
जल प्रबंधन एवं सिंचाई के लिए बोरी बंधानों का निर्माण।
कौशल उन्नयन व रोजगार।
हैंडपम्पों से जल प्रदाय की व्यवस्था।
गांवों में स्वास्थ्य शिविर और खेल-कूद सामग्री का प्रदाय।
उपलब्धियों के 40 वर्ष
निगम द्वारा निर्मित वन संपदा का शुद्ध मूल्य (नेटवर्थ) रु. 3500 करोड़ से भी अधिक
स्थापना वर्ष से ही निगम निरंतर लाभ में
वन समितियों को प्रतिवर्ष लाभांश वितरण
वनों की सुरक्षा की जिम्मेदारी
मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम लि.
Please Visit our website : www.mpsfdc.com